खबर संक्षेप

धान के पैरा में 'काला सोना'

शहडोल। जिले में खनिज माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब वे 'जादूगर' बनने पर आमादा हैं। सोहागपुर के नवलपुर क्षेत्र में अवैध कोयले को छिपाने के लिए तस्करों ने ऐसा देसी जुगाड़ भिड़ाया कि देखने वाले भी दंग रह गए। ट्रैक्टर ट्रॉली में ऊपर से 'धान का पैरा' (पराली) बिछाया गया था, ताकि दुनिया को लगे कि किसान चारा ले जा रहा है, लेकिन अंदर कुबेर का खजाना यानी अवैध कोयला ठसाठस भरा था।

हवा हुई तस्करी की 'पराली'

लंबे समय से रपटा घाट क्षेत्र से कोयला चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। शनिवार दोपहर जब खनिज निरीक्षक समयलाल गुप्ता की टीम ने घेराबंदी की, तो बिना नंबर प्लेट वाला एक आयशर ट्रैक्टर हत्थे चढ़ गया। माफिया ने ऊपर घास-फूस और नीचे से अवैध कोयले की परतें निकल आईं। तस्करी का यह 'घसियारा मॉडल' खनिज विभाग की मुस्तैदी के आगे ताश के पत्तों की तरह ढह गया।

बिना नंबर का घोड़ा, अब थाने में खड़ा

खनिज विभाग ने बिना नंबर वाले इस 'बेनामी' ट्रैक्टर (चेचिस नंबर 924314170051) को जब्त कर सोहागपुर थाने के सुपुर्द कर दिया है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के कड़े तेवरों के बाद अब वाहन मालिक और चालक पर खनिज नियम 2022 की गाज गिरना तय है।

विभाग की इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि माफिया चाहे धान में कोयला छिपाए या पाताल में, कानून की नजरों से बचना नामुमकिन है।

ब्यौहारी पुलिस ने बिगाड़ा गांजा तस्कर का जायका

ब्यौहारी। नशा तस्करों की बुद्धि बलिहारी है! ब्यौहारी के जूनिया टोला में एक महोदय अपने किचन में दाल-चावल नहीं, बल्कि गांजे का तडक़ा लगा रहे थे। थाना प्रभारी जियाउल हक के नेतृत्व में पुलिस ने दबिश देकर वार्ड नंबर 11 के निवासी बीरेश कुमार द्विवेदी उर्फ मुकेश को सवा किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।

टीने की पेटी में बंद था काला कारोबार- मुखबिर की सटीक सूचना पर जब पुलिस टीम आरोपी के घर पहुँची और तलाशी शुरू की, तो किचन की रैक पर रखी एक टीने की पेटी ने सारा राज उगल दिया। पेटी के अंदर से 01 किलो 250 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 11 हजार रुपये आंकी गई है। साहब को शायद लगा था कि किचन के मसालों की महक में गांजे की गंध छिप जाएगी, लेकिन पुलिस की नाक के आगे उनकी यह कुकिंग फेल हो गई।

सलाखों के पीछे पहुंचे मुकेश जी

51 साल की उम्र में समाज को दिशा देने के बजाय मुकेश जी युवाओं की नसें खोखली करने का सामान जुटाए बैठे थे। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर दिया है। इस कार्यवाही में बालकरण प्रजापति, महेंद्रपाल शुक्ला और उनकी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। पुलिस की इस सर्जिकल स्ट्राइक ने क्षेत्र के अन्य नशे के सौदागरों के पसीने छुड़ा दिए हैं।

व्यवस्था की लापरवाही या गृह क्लेश की भेंट चढ़ी एक ज़िंदगी

बाणसागर में अग्नि-कांड: सनक, सुलगता गुस्सा और फिर सब राख!

पत्नी की ना ने सुलगाई मौत की चिंगारी

शहडोल।

कहते हैं कि गुस्सा इंसान की अक्ल खा जाता है, लेकिन बाणसागर के वार्ड नंबर 9 में इस गुस्से ने न केवल एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि एक हंसते-खेलते युवक को लिविंग टॉर्च (जिंदा मशाल) बनाकर मौत के घाट उतार दिया। बाणसागर में हुई इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया है। एक पत्नी का साथ चलने से इनकार करना पति को इस कदर नागवार गुजरा कि उसने खुद को आग के हवाले कर दिया। सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ एक पति-पत्नी का विवाद था, या फिर इसके पीछे कोई और किरदार था जो इस आग में घी डालने का काम कर रहा था?

विवाद से थाने तक... और फिर श्मशान की राह!

घटनाक्रम किसी फिल्मी थ्रिलर से कम नहीं है, लेकिन इसका अंत बेहद वीभत्स रहा। 2 अप्रैल की शाम, रवि कचेर उम्र 33 वर्ष और उसकी पत्नी ज्योति के बीच मामूली बात पर तकरार शुरू हुई। विवाद इतना बढ़ा कि मामला थाने की चौखट तक जा पहुंचा। पुलिस ने रिपोर्ट तो लिखी, लेकिन शायद वह उस सुलगते बारूद को नहीं पहचान पाई जो रवि के दिमाग में भर चुका था। मारपीट के डर से डरी-सहमी ज्योति अपने घर न जाकर एक अन्य महिला के घर शरण लेने चली गई। उसे क्या पता था कि यही सुरक्षा की तलाश, रवि के लिए सुसाइड पॉइंट बन जाएगी।

नहीं चलोगी, तो जल जाऊंगा

देर रात जब सन्नाटा पसरा था, तब रवि कचेर हाथ में पेट्रोल की कुप्पी लेकर उस महिला के घर पहुंचा जहां उसकी पत्नी ठहरी थी। चश्मदीदों के मुताबिक, मंजर बेहद खौफनाक था। रवि चिल्ला रहा था, दबाव बना रहा था, मेरे साथ चलो वरना मैं खुद को खत्म कर लूंगा। अहंकार और सनक का वह मंजर देखिए कि पत्नी ने इनकार किया और रवि ने खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया। माचिस की एक तीली ने उसे आग का गोला बना दिया। लोग देखते रहे, चिल्लाते रहे और एक जिंदा इंसान चंद सेकंडों में कोयला बनने की कगार पर पहुंच गया। रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज से लेकर नागपुर तक के सफर में रवि की सांसें उखड़ती रहीं और आखिरकार रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

क्या कोई और बुन रहा था साजिश

मरने से पहले रवि ने जो बयान दिया, उसने इस पूरी आग में साजिश का एंगल जोड़ दिया है। रवि ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी को एक स्थानीय महिला लगातार भडक़ा रही थी। वह उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही थी। अब सवाल यह उठता है कि क्या वह महिला वाकई घर बसाने में मदद कर रही थी या फिर घर उजाडऩे का खेल खेल रही थी, आखिर क्यों एक बाहरी व्यक्ति के दखल ने एक घर को मलबे में तब्दील कर दिया?

चक्का जाम और पुलिस का भरोसा

रवि की मौत की खबर जैसे ही बाणसागर पहुंची, इलाके में उबाल आ गया। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने चक्का जाम कर दिया। सडक़ पर बैठकर लोगों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस हमेशा की तरह जांच का झुनझुना थमा रही है। अधिकारियों का कहना है कि हर पहलू की जांच होगी।

लेकिन जनता पूछ रही है कि जब शिकायत थाने पहुंची थी, तब क्या पुलिस ने गंभीरता दिखाई? क्या उस तीसरी कड़ी (भडक़ाने वाली महिला) की भूमिका की जांच पहले नहीं होनी चाहिए थी?

सनक और सिस्टम का तालमेल

यह घटना केवल एक आत्महत्या नहीं है, बल्कि हमारे समाज के खोखलेपन का आईना है। एक तरफ वह पति जिसकी सनक ने उसे आत्मदाह तक पहुंचा दिया, दूसरी तरफ वह पत्नी जो असुरक्षित महसूस कर रही थी, बाणसागर वार्ड 9 की यह राख अभी ठंडी नहीं हुई है। यह राख सवाल पूछ रही है, उन बिचौलियों से जो दूसरों के घरों में आग लगाते हैं और उस पुलिस प्रशासन से जो शिकायत दर्ज करने के बाद भी अनहोनी को टालने में नाकाम रहता है। अब देखना यह है कि पुलिस रवि के आखिरी बयानों पर कार्रवाई करती है या फिर यह फाइल भी अन्य फाइलों की तरह खाक में मिल जाएगी।

बुढ़ार जनपद में 'संविदा' का साम्राज्य क्या साहब ही हैं असली 'सिस्टम'

शहडोल।

जिले की जनपद पंचायत बुढ़ार में इन दिनों लोकतंत्र की नहीं, बल्कि 'एकतंत्र' की इबारत लिखी जा रही है। कहने को तो यह सरकारी दफ्तर है, लेकिन जनता के बीच चर्चा है कि यहाँ संविधान नहीं, बल्कि एक खास 'नाम' का विधान चलता है। चाय की गुमटियों से लेकर गांव की चौपालों तक एक ही सवाल तैर रहा है कि यह जनपद पंचायत है या किसी का निजी 'सिंहासन' है।

प्रभारों की बैसाखी पर टिका 'पावर सेंटर'- मनरेगा के बजट की गंगा को मोडऩे के लिए नियुक्त किए गए अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी आज जनपद के अघोषित 'सुल्तान' बन बैठे हैं। ताज्जुब की बात यह है कि संविदा की नौकरी से करियर शुरू करने वाले साहब आज जिले के सबसे बड़े 'मैनेजर' बन चुके हैं। सूत्रों की मानें तो साहब के पास एक नहीं, दो नहीं, बल्कि 'तीन-तीन प्रभार' का वह जादुई चिराग है, जिसे रगड़ते ही फाइलों के पहिए सरपट दौडऩे लगते हैं।

इंजीनियर से सीईओ तक... सब 'जी हुजूर'! - अंदरखाने की खबर है कि यहां की व्यवस्था में पद की गरिमा धुंधली पड़ चुकी है। आलम यह है कि इंजीनियर से लेकर ऊंचे ओहदे पर बैठे जिम्मेदार तक साहब की 'टेबल' की परिक्रमा करते नजर आते हैं। पंचायतों के सचिव और सरपंचों की क्या मजाल कि वे साहब की मर्जी के बिना ईंट भी रख दें। सप्लायरों की टोली तो

साहब के इशारों पर ऐसे नाचती है, जैसे बजट का ताला और चाबी दोनों एक ही पॉकेट में हों।

यवस्था या बंदरबांट- स्थानीय लोग तंज कसते हुए कहते हैं कि यहां एपीओ का मतलब 'अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी' नहीं, बल्कि 'ऑल इन वन' पावर हाउस है। एक बुजुर्ग ने चुटकी लेते हुए कहा, पहले सुना था कि कानून के हाथ लंबे होते हैं, यहां तो साहब के प्रभारों की लिस्ट लंबी है। क्या पूरे जिले में योग्य अधिकारियों का अकाल पड़ गया है जो एक ही व्यक्ति को तीन-तीन जिम्मेदारियों से लाद दिया गया। क्या यह प्रशासनिक दक्षता है या फिर भ्रष्टाचार के विकेंद्रीकरण को एक जगह समेटने की सोची-समझी साजिश। देखना दिलचस्प होगा कि जिले के आला अफसर इस 'सिस्टम के भीतर चल रहे सिस्टम' पर अपनी आंखें खोलते हैं या फिर बुढ़ार जनपद इसी तरह एक व्यक्ति के 'रिमोट कंट्रोल' से चलता रहेगा।

युवा विधायक सम्मेलन: सड़क-नाली से आगे बढ़कर संस्कार

प्रकृति को बचाना ही असली राष्ट्र निर्माण: शरद

शहडोल।

विधानसभा में आयोजित दो दिवसीय युवा विधायक सम्मेलन में राजनीति के आधुनिक चेहरों ने भविष्य के भारत का खाका खींचा, इस सम्मेलन में मध्य प्रदेश सहित तीन राज्यों के 45 वर्ष से कम आयु के लगभग 58 विधायकों ने शिरकत की, सम्मेलन का मुख्य केंद्र बिंदु विजन 2047 और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका रहा, इस दौरान ब्यौहारी (शहडोल) से भाजपा विधायक शरद जुगलाल कोल के संबोधन ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा, जिन्होंने विकास की पारंपरिक परिभाषा से इतर समाज और संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया।

विधायक शरद कोल ने अपने संबोधन में कहा कि एक विधायक की जिम्मेदारी केवल सडक़, नाली या पुलिया निर्माण तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमें

समाज के निर्माण में भी भागीदारी निभानी होगी,हम ऐसी दिशा देकर जाएं कि हमारे पूर्वजों के संस्कार और भारत की महान संस्कृति अक्षुण्ण रहे, उन्होंने चिंता व्यक्त की कि आज की नई पीढ़ी शिक्षित तो हो रही है, लेकिन संस्कारों से दूर जा रही है। अभिवादन की परंपरा का उदाहरण देते हुए उन्होंने मार्मिक ढंग से कहा कि जो मस्तक कभी बुजुर्गों के चरणों में झुकता था, वह समय के साथ घुटनों तक आया और अब केवल नमस्कार तक सिमट गया है। यदि संस्कार खत्म हो गए, तो भौतिक विकास का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा।

प्रकृति और जल संकट पर गंभीर चेतावनी

बदलती तकनीक और प्रकृति के दोहन पर बोलते हुए शरद कोल ने पिछले 35 वर्षों के बदलाव का खाका रखा, उन्होंने कहा कि हम झरने और कुओं के दौर से निकलकर हैंडपंप और बोरवेल तक आए, और अब बोतलबंद केन वाटर पर निर्भर हो गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि 35 सालों में हमने नैचुरलिटी को खत्म कर दिया है। अगर इसी रफ्तार से प्रकृति का विनाश हुआ, तो आने वाली पीढ़ी को हम पीने का पानी कैसे उपलब्ध कराएंगे,उन्होंने विधायकों से अपील की कि वे तकनीक के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को अपनी प्राथमिकता में रखें।

विधायक समाज के रोल मॉडल, जिम्मेदारी बड़ी- विधायक कोल ने जनप्रतिनिधियों की तुलना सेलिब्रिटीज़ से करते हुए उनके सामाजिक उत्तरदायित्व को रेखांकित किया, उन्होंने कहा, हम आम आदमी नहीं हैं, हम जिम्मेदार लोग हैं। यदि सलमान खान फटी जींस पहनकर टीवी पर दिखते हैं, तो युवा उनका अनुसरण करते हैं। उसी तरह, जब कोई विधायक अपनी बात रखता है या आचरण करता है, तो जनता उसे देखती और सुनती है। उन्होंने आह्वान किया कि युवा विधायकों को समाज के लिए एक आइडियल (आदर्श) बनना होगा, ताकि उनके कार्यों और व्यवहार से राष्ट्र निर्माण की सही दिशा तय हो सके। यह सम्मेलन इस निष्कर्ष के साथ संपन्न हुआ कि विजन 2047 का भारत केवल आर्थिक रूप से समृद्ध न हो, बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों और प्राकृतिक संपदा के साथ भी सुरक्षित रहे।

धार्मिक आयोजन के बीच सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं निरीक्षक का किया गया सम्मान

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय से लगे ग्राम ऐंताझर के निर्माणाधीन श्री हनुमान मंदिर के परिसर में श्रीहनुमान जन्मोत्सव पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त प्राध्यापक (पूर्व कुलपति) प्रो मुकेश तिवारी एवं सिंहपुर थाना प्रभारी एम.एल. रहंगडाले का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य आतिथ्य अयोध्या धाम के प्रसिद्ध श्रीराम कथा वाचक आचार्य श्री श्री 108 श्री माधवाचार्य महाराज(नेत्रहीन) विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने आयोजन को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की।

कार्यक्रम की शुरुआत आचार्यश्री माधवाचार्य महाराज के प्रथम आगमन पर हनुमान मंदिर समिति द्वारा पारंपरिक ० विधि-विधान से आचार्यश्री का पूजन, पुष्पमाला अर्पण कर तिलक वंदन से स्वागत के साथ हुई। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं जनप्रतिनिधियों ने आचार्य श्री का

आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात इंदिरा गांधी कन्या महाविद्यालय से सेवानिवृत्त प्राध्यापक (पूर्व कुलपति) प्रो मुकेश तिवारी एवं सिंहपुर थाना प्रभारी (निरीक्षक) एम.एल.रहांगडाले का सम्मान अतिथियों द्वारा शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया।

समारोह में अपने उद्बोधन में प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य श्री माधवाचार्य जी ने कहा कि समाज में शिक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तित्व सदैव प्रेरणा के स्रोत होते हैं। उन्होंने सेवानिवृत्त हुए अतिथियों के स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना करते हुए समाज को उनके अनुभवों से लाभान्वित होने का आह्वान किया। अपने संबोधन में आचार्य श्री ने निर्माणाधीन हनुमान मंदिर के शीघ्र पूर्ण करने में सभी के सहयोग की अपेक्षा की।

कार्यक्रम के दौरानआचार्य श्री माधवाचार्य ने रामचरित मानस में हनुमान जी के प्रसंग का आध्यात्मिक एवं धार्मिक सत्संग को विस्तार से सुनाया, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से सहभागिता निभाई। तत्पश्चात श्री हनुमान जी महाराज का विधिवत पूजन-अर्चन कर शोभा यात्रा निकाला गया। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसाद वितरण के साथ आयोजन का समापन हुआ।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक, ग्रामीणजन, मंदिर समिति के सदस्य, क्षेत्रीय प्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। जिनमें प्रमुख रूप से सुशील शर्मा, सीएमएचओ डॉ राजेश मिश्रा,आदित्य हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ आदित्य द्विवेदी,बीएमओ डॉ सुनील स्थापक,अरुण श्रीवास्तव, नीलेश शुक्ल,अंभोज श्रीवास्तव,अनूप मिश्रा, रविकरण त्रिपाठी, गिरीश श्रीवास्तव,सिंहपुर थाना प्रभारी आशीष झारिया, राजाराम पाण्डे,सुजीत श्रीवास्तव, चंद्रशेखर शर्मा, संदीप द्विवेदी, मनोज श्रीवास्तव,सुधीर शर्मा, अशोक श्रीवास्तव,द्वारिका गुप्ता, ललित मिश्रा, प्रदीप पटेल, अनिल साहू, सी एस पट्टावी, गोवर्धन कुशवाहा सहित सभी ने एक स्वर में मंदिर निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु सहयोग देने का संकल्प भी व्यक्त किया।

भगवामय हुआ शहडोल: हनुमान जन्मोत्सव पर उमड़ा आस्था का सैलाब, गूंजे जयकारे

बुढ़ार/धनपुरी।

संकटमोचन श्री हनुमान जी के जन्मोत्सव पर बुढ़ार और धनपुरी की सडक़ें भक्ति के रंग में सराबोर नजर आईं। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा निकाली गई भव्य वाहन शोभायात्रा ने समूचे अंचल को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। प्रांत मंत्री मेहुल श्रीवास्तव के नेतृत्व में निकली इस यात्रा में हजारों की संख्या में रामभक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा।

राम जानकी मंदिर से शुरू हुआ भक्ति का कारवां

दोपहर 4 बजे बुढ़ार के श्रीराम जानकी मंदिर से जैसे ही शोभायात्रा का शंखनाद हुआ, पूरा नगर जय श्रीराम और जय बजरंगबली के नारों से गूंज उठा। सुसज्जित वाहनों और आकर्षक झांकियों के साथ यह यात्रा जब धनपुरी के आजाद चौक पहुंची, तो वहां श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया।

पैदल यात्रा में दिखा अटूट संगम

राधाकृष्ण मंदिर धनपुरी पहुंचकर वाहन यात्रा ने पैदल शोभायात्रा का रूप ले लिया। हनुमान जन्मोत्सव सेवा समिति के साथ मिलकर निकाली गई इस संयुक्त

यात्रा में हिंदू समाज की अभूतपूर्व एकता और संगठन शक्ति देखने को मिली। आयोजन में दीपक मांझी (लालू भैया), जेपी साहू सहित संगठन के जिला व नगर पदाधिकारियों और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपनी गौरवमयी उपस्थिति दर्ज कराई। ढोल-नगाड़ों और भजनों की थाप पर थिरकते श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

शहडोल जिला अस्पताल: वेंटिलेटर पर संवेदनशीलता, खाकी और सफेदपोशों ने लाश को बनाया अज्ञात

जेब में नाम-पता, फिर भी 4 दिन मर्चुरी में सड़ता रहा शव अस्पताल और पुलिस की जुगलबंदी ने मानवता को किया शर्मसार

शहडोल। अगर आप सोचते हैं कि सरकारी अस्पताल इलाज के लिए हैं, तो जिला चिकित्सालय की यह दास्तां आपकी रूह कंपा देगी। यहां जिंदा इंसान का इलाज तो भगवान भरोसे है ही, मरने के बाद लाशों के साथ जो सिस्टम खेलता है, वह किसी फिल्मी विलेन से कम नहीं। एक आदिवासी युवक की जेब में उसका नाम और पता (मुन्ने सिंह, निवासी विचारपुर) अपनी पहचान बता रहा था, लेकिन अस्पताल के साहबों और पुलिस की मुस्तैदी ने उसे जबरन अज्ञात की चादर ओढ़ा दी और चार दिनों तक मर्चुरी के अंधेरे में सडऩे के लिए छोड़ दिया।

लापरवाही की जुगलबंदी: न पता बदला, न नीयत!- 30 मार्च की रात 11 बजे, तीन-चार लोग एक लहूलुहान युवक को ओपीडी में छोडक़र रफूचक्कर हो गए। चेहरे पर चोट के निशान गवाही दे रहे थे कि मामला एक्सीडेंट का है या शायद खूनी संघर्ष का। अस्पताल स्टाफ को उसकी जेब से एक पर्ची मिली, जिस पर साफ अक्षरों में नाम और पता दर्ज था। रिकॉर्ड में नाम चढ़ा, लेकिन जैसे ही 31 मार्च को उसकी मौत हुई, फाइल का रंग बदल गया। अस्पताल प्रबंधन और पुलिस चौकी के बीच ऐसी फिक्सिंग हुई कि पहचान वाला

शख्स अचानक अज्ञात हो गया। सवाल यह है कि वह पर्ची कहाँ गई? क्या उसे सिस्टम की कमियों को छिपाने के लिए कूड़ेदान के हवाले कर दिया गया?

4 दिन तक पोस्टमार्टम का इंतजार - आश्चर्य की पराकाष्ठा देखिए कि 31 मार्च को मौत होती है और 4 अप्रैल तक लाश मर्चुरी में पड़ी रहती है। चार दिन! न पोस्टमार्टम हुआ, न शिनाख्त की कोशिश। क्या पुलिस के पास विचारपुर जाकर तस्दीक करने का समय नहीं था या फिर साहब लोग इस इंतजार में थे कि लाश खुद उठकर अपनी गवाही दे दे? सीसीटीवी फुटेज खंगालने की जहमत तक नहीं उठाई गई कि वे चार लोग कौन थे जो उसे छोडक़र भागे। यह लापरवाही नहीं, बल्कि वर्दी और सफेद कोट के पीछे छिपी वह क्रूरता है जो एक गरीब आदिवासी की जान और गरिमा को फाइल का बोझ समझती है।

साहब के पास तर्क है, संवेदना नहीं!- सिविल सर्जन ने कहा कि चोटें एक्सीडेंट जैसी थीं, इसलिए सूचना दी गई। पुलिस कहती है कि हमें तो अज्ञात बताया गया। इस तू-तू मैं-मैं के खेल में एक परिवार अपने बेटे की राह तकता रहा और यहां उसकी देह लावारिसों की तरह पड़ी रही। अब जब मामला मीडिया में उछला, तो कोतवाली पुलिस फोटो लेकर गांव-गांव भटकने का नाटक कर रही है।

इनका कहना है...

अस्पताल से जो दस्तावेज हमें प्राप्त हुए, उनमें मृतक को अज्ञात बताया गया था। मामला सामने आने के बाद अब फोटो और जानकारी आसपास के क्षेत्रों में भेजी जा रही है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। हर पहलू से जांच की जा रही है।

राघवेंद्र तिवारी
कोतवाली प्रभारी, शहडोल

घायल को 30 मार्च की रात अस्पताल लाया गया था। उसके पास मिली पर्ची के आधार पर ओपीडी में नाम दर्ज किया गया और पुलिस को सूचना दी गई थी। अगले दिन उसकी मौत हो गई, जिसके बाद आगे की कार्रवाई पुलिस की जिम्मेदारी होती है।

डॉ. शिल्पी सराफ
सिविल सर्जन, जिला अस्पताल शहडोल

खबर संक्षेप

थाना बिजुरी द्वारा नाबालिक बालक को दस्तयाब कर किया परिजनों को सुपुर्द

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। 30 मार्च को फरियादी निवासी मोहाडा दफाई के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि मेरा नाबालिक भांजा जिसकी उम्र 16 वर्ष 10 माह है 29 मार्च को कही चला गया है जिसकी नात रिश्तेदारी मे खोजबीन किये पर पता नही चला, ऐसा लगता है कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना बिजुरी मे अप. क्र 109/25 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर टीम गठित की जाकर पता तलाश के प्रयास किया गया तकनीकी सहायता और हिकमत अमली से पूछताछ पर नाबालिग बालक की सुरागरसी के प्रयास किए गए हैं एवं अपहृत बालक को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक विकास सिह, सउनि बृजेश पाण्डेय, आर आनंद कुमार तथा सायबर सेल से प्रआर राजेन्द्र अहिरवार की उल्लेखनीय भूमिका रही।

कोयला खदान में चोरी करते 4 आरोपी रंगे हाथों गिरफ्तार, 75 हजार का माल जप्त

राजनगर। रामनगर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए खदान में चोरी करते 4 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 75,000 मूल्य का माल जप्त किया गया है। थाना रामनगर क्षेत्र के अमाडांड़ खदान में सुरक्षा प्रभारी संजय कुमार मिश्रा द्वारा सूचना दी गई कि बीती रात करीब 2:30 बजे अज्ञात व्यक्ति स्टोर में रखी केबल चोरी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपियों को चोरी करते समय ही पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में जैनुल आबेदीन (36 वर्ष), मोहम्मद साकिल (25 वर्ष), जलेश्वर चौधरी (35 वर्ष) निवासी कोतमा एवं रामदास निवासी मलगा (42 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक एंड्रॉइड मोबाइल, दो कीपैड मोबाइल, एक मोटरसाइकिल (टीवीएस स्पोर्ट्स, कीमत करीब 70,000) तथा लगभग 5-7 मीटर कॉपर केबल (कीमत करीब 5,000)' जप्त की है। इस कार्यवाही में एएसआई विनोद नाहर, प्रधान आरक्षक अमित पटेल एवं आरक्षक मूरत सिंह की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 91/26 के तहत धारा 331(4), 305(ठ), 3(5) बीएनएस में मामला दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है ।

सांस्कृतिक मंच निर्माण का भूमिपूजन संपन्न

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक आठ मे थाना परिसर मे स्थित हनुमान मंदिर के पास सांस्कृतिक मंच निर्माण का भूमिपूजन नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ एवं उपाध्यक्ष श्रीमती वैशाली बद्री ताम्रकार थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल एवं परिषद् पदाधिकारियों की उपस्थिति मे शुक्रवार को संपन्न कराया गया। ज्ञातव्य हो कि सांस्कृतिक मंच का निर्माण हो जाने से मंदिर परिसर मे कार्यक्रमों के लिए परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा। और यह एक अच्छा कार्य नगर पालिका के द्वारा किया गया है। पार्षद अभिषेक सराफ, राजेन्द्र सोनी, श्रीमती बबिता सिंह, बद्री ताम्रकार, प्रदीप सोनी, मनोज सोनी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्कूल चले अभियान अंतर्गत भविष्य से भेंट कार्यक्रम संपन्न

स्पष्ट लक्ष्य, सही मार्गदर्शन तथा निरंतर प्रयास से हर मंजिल संभव: कलेक्टर

कैरियर मार्गदर्शन के जरिए कलेक्टर ने छात्रों को किया प्रेरित

उमरिया। बच्चे देश का भविष्य हैं। विद्यार्थी अपने अपने लक्ष्यों का निर्धारण करते हुए अभी से लक्ष्य कि प्राप्ति के लिए प्रयास करेंगे तो निश्चित रूप से आपको सफलता मिलेगी। शिक्षा विकास के व्दार खोलती है। शिक्षा सभ्य समाज का आधार है।उपलब्ध विषय के अध्यन उपरांत विषय के अर्जित की जाने वाली जॉब, कार्यक्षेत्र की वास्तविकता के साथ अपने आप को जोड़ें। अपने लिए उपयुक्त और व्यावहारिक करियर विकल्पों का मूल्यांकन करें। सही कैरियर और अपना जीवन के लक्ष्य प्राप्त करने की योजना बनाये और सोच समझ कर विषय का चुनाव करे । उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय उमरिया में स्कूल चले हम अभियान अंतर्गत आयोजित भविष्य से भेंट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए । उन्होने कहा कि जिस विद्यार्थी कि जिस विषय पर रूचि है, उसी के अनुरूप अपनी तैयारी करें।कैरियर का चुनाव करते हुए अपनी रूचि, अपने कैरियर के विकल्प, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करनें की योजना बनाएं। उन्होने कहा कि अपनी रूचि को पहचाने के अपने बारे मे जानना कैरियर निर्णय लेने की महत्वपूर्ण नींव है । उन्होंने बताया कि कक्षा 12वीं उपरांत विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए इंजीनियरिंग,रक्षा सेवाएं, आर्किटेक्चर, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एथिकल हैकिंग जैसे क्षेत्र उपलब्ध हैं। वहीं वाणिज्य संकाय के छात्र चार्टर्ड अकाउंटेंसी, प्रबंधन, कंपनी सेक्रेटरी, बैंकिंग-फाइनेंस और डिजिटल मार्केटिंग में करियर बना सकते हैं। कला संकाय के विद्यार्थियों के लिए सिविल सेवा, शिक्षण, मनोविज्ञान, कानून, डिजाइनिंग और जनसंचार जैसे विकल्प मौजूद हैं।

उन्होने कहा कि वोकेशनल कोर्स अंतर्गत तकनीकी कौशल हासिल करके शीघ्र रोजगार पाने के लिए एक बेहतरीन कैरियर विकल्प है । यह 6 महीने से 2 साल का कम खर्चीला कोर्स है। जो 10 वीं 12 वीं के बाद इलेक्ट्रिशियन,फिटर, वेल्डर, जैसे ट्रेडस में व्यवहारिक प्रशिक्षण देकर सरकारी क्षेत्रों जैसे रेल्वे और निजी क्षेत्रो में नौकरियां सुनिश्चित करता है। पीएम विश्वकर्मा योजना में शासन व्दारा 18 विभिन्न रोजगार परक ट्रेड्स का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है।विद्यार्थी पढाई के साथ वोकेशनल कोर्स भी कर सकते हैं।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को खेल,संगीत,नृत्य व फोटोग्राफी जैसे गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में भी करियर बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छात्र अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुरूप इन क्षेत्रों में भी उज्ज्वल भविष्य बना सकते हैं और इन्हें गंभीरता से करियर विकल्प के रूप में अपनाना चाहिए।उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में स्पष्ट लक्ष्य,सही मार्गदर्शन एवं निरंतर प्रयास से बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है इसलिए सभी बच्चे अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करें और सफल हों।

कार्यक्रम को धनुषधारी सिंह एवं सेवा निवृत्त शिक्षक ने भी संबोधित किया । कार्यक्रम के अंत में बच्चों व्दारा पूछे गए सवालों का कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन व्दारा विस्तृत जवाब दिए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी मां सरस्स्वती के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलन करके किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 10 वीं में प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राओं को निःशुल्क पाठय पुस्तक वितरित की गई। इस अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय उमरिया के प्राचार्य श्री सिंह,शिक्षक, शिक्षिकाएं सहित बच्चे उपस्थित रहे ।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन आंगनबाडी तथा सामुदायिक भवन का किया निरीक्षण

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने ग्राम डोडका में निर्माणाधीन पीएम जन मन योजना से बन रहे आंगनबाडी केंद्र तथा ग्राम बिजौरी में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान बताया गया कि ग्राम डोडका में पीएम जन योजना के तहत 12 लाख रूपये कि लागत से आंगनबाडी केंद्र का निर्माण किया जा रहा है।निरीक्षण के दौरान आंगनबाडी केंद्र में हाल,कमरे,स्टोर तथा शौचालय का निर्माण होना पाया गया।कलेक्टर ने कहा कि आंगनबाडी केंद्र का निर्माण कार्य समय सीमा पर पूरा कर लिया जाए तथा कार्य को पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाए। कलेक्टर ने ग्राम बिजौरी में 25 लाख रूपये की लागत से बन रहे सामुदायिक भवन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि सामुदायिक भवन में एक हाल,स्टेज,दो कमरों का निर्माण किया जा रहा है । निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत है। कलेक्टर ने कहा कि निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ करते हुए समय सीमा में कार्य को पूरा करे।

भविष्य से भेंट संवाद के तहत जिले भर कि स्कूलों में आयोजित हुए कार्यक्रम

उमरिया। मध्यप्रदेश शासन,शिक्षा विभाग,भोपाल के निर्देशानुसार आज जिलेभर के विभिन्न विद्यालयों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के लिए जिला अधिकारियों को स्कूलों का आवंटन किया गया था, अधिकारियों ने आवंटित स्कूलो में पहुंचकर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया तथा उनके व्दारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया । इस अवसर पर एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय उफरी,तहसीलदार बांधवगढ ने माध्यमिक विद्यालय किरनताल, अधीक्षक भू अभिलेख सतीश सोनी ने शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोयलारी, तहसीलदार मानपुर ने ग्राम खलौंध स्थित माध्यमिक विद्यालय , कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय ने हाई स्कूल चेचरिया सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों ने आवंटित स्कूलों में पहुंचकर बच्चों को मार्गदर्शन दिया तथा स्कूलों की स्थिति का जायजा लेकर आवश्यक सुधार हेतु निर्देशित किया।

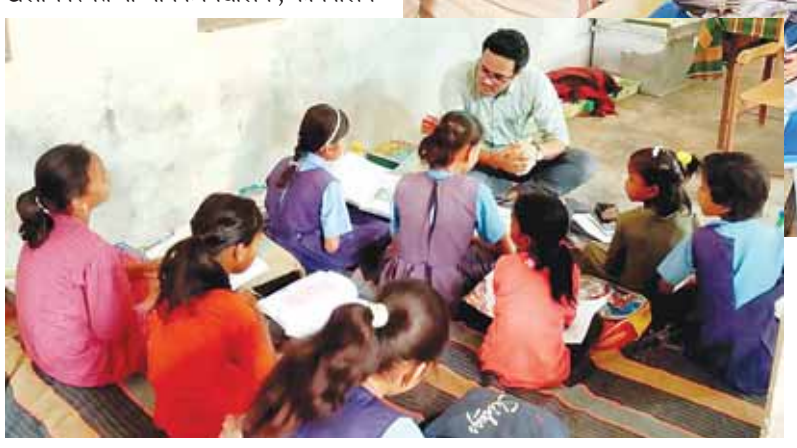

कोतमा विकास खण्ड अध्यक्ष पद पर पुनीत सेन निर्विरोध निर्वाचित

अनूपपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ब्लॉक कोतमा इकाई के अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचन प्रक्रिया 04 अप्रैल शनिवार को कोतमा वाचनालय में दोपहर 12:00 बजे सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश मिश्रा के दिशा-निर्देशानुसार निर्वाचन अधिकारी दिवाकर विश्वकर्मा और सहायक निर्वाचन अधिकारी आशीष द्विवेदी द्वारा पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमावली के अनुरूप संपादित की गई। निर्वाचन में उपस्थित समस्त सदस्यों की सर्वसम्मति से पुनीत सेन को निर्विरोध कोतमा ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश मिश्रा ने बताया कि आपके नेतृत्व में संगठन ऊंचाइयो को प्राप्त करें तथा समाज और राष्ट्र सेवा मैं आपकी भूमिका और अधिक सशक्त बने, मैं अपनी निर्वाचन टीम को पूरी कार्यवाही सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न करने के लिए धन्यवाद प्रेषित करता हूं। निर्वाचन उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष पुनीत सेन ने साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि संगठन के साथियों के विश्वास, स्नेह और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से पत्रकार हितों की रक्षा, संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। आज निर्वाचन के दौरान विकास खण्ड कोतमा की कार्यकारिणी मे वारिष्ट उपाध्यक्ष पद पर मोहम्मद गजल तथा उपाध्यक्ष पद पर दुर्गा यादव, संजीव पाण्डेय, सत्यप्राकश उपाध्याय और त्रिलोकी नाथ, महासचिव बृजेश साहनी, कोषाध्यक्ष रमाकान्त शुक्ला, सहकोषाध्यक्ष शान्तनु मिश्रा, सह सचिव राहुल द्विवेदी, आमीन वारसी एवं संजय साहू, ब्लॉक प्रवक्ता महेश मिश्रा, विधिप्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष आरसी मिश्रा, विकासखंड कोतमा के कार्यकारी सदस्य के रूप में प्रहलाद गुप्ता निर्वाचन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पत्रकार साथियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

150 फिल्मों के अभिनेता राजेन्द्र गुप्ता का राजेन्द्रग्राम में भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज राजेन्द्र ग्राम। लगभग 150 फिल्मों में अपने अभिनय से पहचान बना चुके प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राजेन्द्र गुप्ता का राजेन्द्रग्राम स्थित कल्याणिका विद्यालय में प्रधानाचार्य, शिक्षकों और स्टाफ द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में शिक्षा, कला और संस्कारों के महत्व पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम में एटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिद्वार सिंह, फिल्म निदेशक आर.एस. बिकल, म्यूजिक डायरेक्टर आदित्य शर्मा, कल्याणिका सेवा निकेतन के निदेशक हिमाद्री मुनि तथा जगदीशानन्द सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान हिमाद्री मुनि ने अभिनेता राजेन्द्र गुप्ता से निवेदन किया कि वे अमरकंटक, पेंड्रा और राजेन्द्रग्राम स्थित तीनों विद्यालयों के वार्षिक उत्सव (एनुअल फंक्शन) में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हों। इस पर अभिनेता राजेन्द्र गुप्ता ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में आने की सहमति प्रदान की, जिससे विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है।

खबर संक्षेप

नवांकुर संस्था जया सेवा समिति द्वारा ग्राम पोडिया में किया गया श्रमदान

उमरिया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवांकुर संस्था जया सेवा समिति एंव परामर्शदाता के द्वारा ग्राम पंचायत पोडिया में माता तालाब में किया गया श्रमदान । इस अवसर पर पंचायत भवन से माता तालाब तक कलश यात्रा निकाली गई तदुपरांत माता तालाब में बनी सीढ़ी में सभी ग्रामवासियों द्वारा श्रमदान किया गया।नवांकुर संस्था अध्यक्ष ने कहा कि जल मानव जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।जल के बिना इस सृष्टि में किसी भी जीव का जीवन संभव नही है इसलिए हम सभी को आवश्यकतानुसार ही जल का उपयोग करना चाहिए तथा व्यर्थ जल न बहाकर जल का संरक्षण करें। इस अवसर पर सरपंच परमीसा कोल,उपसरपंच सिया बाई प्रजापति,रोजगार सहायक एंव छात्र गंगा शरण शुक्ला,नवांकुर संस्था अध्यक्ष देव प्रकाश गौतम, परामर्शदाता अन्नपूर्णा सोनी, माधुरी त्रिपाठी ,केदार सोनी , शिक्षिका ,फूलमती , शिक्षक महीप प्रजापति, राकेश कोल,पंच चंदिका कोल, भोलू साहू ,लकी श्रीवास्तव एंव सभी ग्राम वासी का सहयोग रहा ।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक 7 अप्रैल को

कटनी। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास की विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक मंगलवार 7 अप्रैल को दोपहर 2.30 बजे से जिला पंचायत के सभागार में आयोजित होगी। सुश्री कौर द्वारा बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग एवं समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

भविष्य से भेंटः एसपी शहडोल ने सीएम राइज स्कूल छतवई में बच्चों को दिया सफलता का मंत्र

शहडोल । शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और करियर मार्गदर्शन के लिए आयोजित ₹भविष्य से भेंट₹ कार्यक्रम के तहत, 4 अप्रैल 2026 को पुलिस अधीक्षक शहडोल रामजी श्रीवास्तव और उप पुलिस अधीक्षक ऋषभ छारी सांदीपनि सीएम राइज विद्यालय छतवई पहुंचे। यहां उन्होंने छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

समय, चरित्र और कर्म ही सफलता की नींव

कार्यक्रम में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री श्रीवास्तव ने उनके भविष्य और करियर की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। उन्होंने रोचक उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन के तीन प्रमुख स्तंभों के बारे में समझायाः समयः समय का सदुपयोग ही व्यक्ति को महान बनाता है।चरित्रः एक मजबूत चरित्र ही समाज में आपकी असली पहचान है।कर्मः बिना निरंतर कर्म और मेहनत के किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करना संभव नहीं है।

तकनीक का लाभ लें,नशे से रहें दूर

संवाद के दौरान एसपी राम जी श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को वर्तमान समय की चुनौतियों के प्रति भी सचेत किया। उन्होंने नशा और बुरी आदतों से दूर रहने की सलाह दी। साथ ही, मोबाइल और इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में आगाह करते हुए बताया कि तकनीक का उपयोग केवल ज्ञान बढ़ाने के लिए करें। उन्होंने जोर दिया कि छात्र अपनी पूरी एकाग्रता केवल शिक्षा पर केंद्रित करें, जिससे वे एक सफल करियर का निर्माण कर सकें।

गरिमामयी उपस्थिति

इस प्रेरक कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अर्चना खरे सहित विभिन्न संकायों के अध्यापकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों के इस सहज अंदाज और मार्गदर्शन से विद्यार्थी काफी उत्साहित नजर आए।

धनपुरी के कच्छी मोहल्ला में नशे का काला कारोबार फिर सक्रिय

कोरेक्स-गांजा की खुलेआम बिक्री; सट्टे का जाल भी फैला

धनपुरी। शहर के कच्छी मोहल्ला और संग्राम सिंह वार्ड में एक बार फिर नशे का अवैध कारोबार पैर पसारता नजर आ रहा है। क्षेत्र में खुलेआम कोरेक्स सिरप और गांजा बेचे जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे मोहल्ले का माहौल खराब होता जा रहा है और आमजन में आक्रोश बढ़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, कुछ माह पूर्व जिला पुलिस प्रशासन ने इस तरह के अवैध कारोबार पर सख्ती दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की थी। उस दौरान कई संदिग्धों पर शिकंजा कसा गया और नशे का यह कारोबार लगभग ठप हो गया था। लेकिन अब हालात फिर पहले जैसे होते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पहले कार्रवाई के बाद भूमिगत हुए धंधेबाज अब फिर से सक्रिय होकर खुलेआम नशे की सामग्री बेच रहे हैं।

नशे की चपेट में आ रहे नाबालिग

सबसे गंभीर बात यह है कि मोहल्ले में नशे की

पुलिस की पूर्व कार्रवाई के बाद भी नहीं थमे अवैध धंधे

सामग्री आसानी से उपलब्ध होने के कारण अब नाबालिग बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटी उम्र के बच्चे भी नशे की लत में फंसते जा रहे हैं, जिससे उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है।

सट्टे का नेटवर्क भी सक्रिय

क्षेत्र में नशे के साथ-साथ मोबाइल के माध्यम से सट्टा खिलाने का धंधा भी तेजी से फैल रहा है। आसान कमाई के लालच में कई लोग इस जाल में फंस रहे हैं और आर्थिक रूप से बर्बाद हो रहे हैं।

पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं

रहवासियों का कहना है कि नशे के कारोबार के चलते पहले भी क्षेत्र में कई अप्रिय घटनाएं हो चुकी हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार लोग इस पर स्थायी रोक लगाने में सफल नहीं हो पाए हैं, जिससे लोगों में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

नाबालिगों तक पहुंच रहा नशा, भविष्य पर मंडराया खतरा

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि पूर्व की तरह विशेष अभियान चलाकर नशा और सट्टा जैसे अपराधों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही अवैध कारोबार में लिप्त लोगों को सख्त सजा देकर ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया जाए, जिससे भविष्य में कोई इस तरह के अपराध करने की हिम्मत न कर सके।

निष्कर्ष

कच्छी मोहल्ला में दोबारा सक्रिय हो रहे नशे और सट्टे के नेटवर्क ने समाज के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। यदि समय रहते इस पर कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ी पर इसका गहरा और नकारात्मक असर पड़ना तय है।

हनुमान जयंती पर चुंगी नाका में हुआ प्रसाद वितरण

ब्यौहारी-। नगर परिषद के अंतर्गत 2 अप्रैल हनुमान जयंती के अवसर पर जगह-जगह विविध हा कार्यक्रम हुए लक्ष्मी नारायण मंदिर से लेकर बस स्टैंड दुर्गा मंदिर तक शोभा यात्रा निकाली गई चुंगी नाकाम ए खिचड़ी और खीर का प्रसाद वितरण किया गया 500 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया पानी की व्यवस्था नगर प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष शिवम गुप्ता की तरफ से की गई खिचड़ी प्रसाद वितरण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राहुल सिंह ,संजय पांडे,शिवम गुप्ता, आशीष गुप्ता,सौरव गुप्ता,राजू गुप्ता,कमलेश तिवारी भन्नी, छोटू साहू सोनू द्विवेदी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ग्राम डोडका में कामधेनु गौशाला का किया निरीक्षण

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम डोडका में कामधेनु गौशाला का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान गायों की संख्या 297 पाई गई। गौशाला में गिर,शाहीवाल व देशी नस्ल की गाएं पाई गईं। गाय को खाने में हरी घास, नेपियर घास,गेहूं का भूसा, धान का पैरा,पशु आहार दिया जा रहा है। गायों की देखभाल के लिए पांच कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। निरीक्षण के दौरान बताया कि प्रतिदिन गाय एक टाईम 20 लीटर दूध देती है। जिसे मानपुर कि डेयरी में 45 रूपये प्रति लीटर के हिसाब से विक्रय किया जाता है। दूध के स्टोरेज के लिए फ्रीजर की व्यवस्था भी की गई है। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी,डिप्टी कलेक्टर एवं सीईओ मानपुर प्रत्युष श्रीवास्तव सहित अन्य खंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हनुमानजी का प्राकट्य उत्सव धूमधाम से मनाया गया

शहडोल। संभागीय मुख्यालय से लगे ग्राम ऐंताझर के निर्माणाधीन श्री हनुमान मंदिर के परिसर में श्री हनुमानजी महाराज का प्राकट्य उत्सव श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। हनुमान मंदिर समिति द्वारा आयोजित इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्रभर से श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर परिसर में विराजमान दिव्य दक्षिणमुखी हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भक्तों ने भगवान हनुमान जी की आराधना कर सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इसके पश्चात रामचरित मानस का पाठ आयोजित किया गया, जिसमें श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए। इस अवसर पर ग्राम पड़मनियां एवं ग्राम जोधपुर की मानस मंडली के द्वारा मनमोहक मानस पाठ किया गया, ततपश्चात अयोध्या धाम के प्रसिद्ध श्रीराम कथा वाचक आचार्य माधवाचार्य जी महाराज (नेत्रहीन) द्वारा हनुमानजी के प्रेरक प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। उनके द्वारा प्रस्तुत कथा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति, सेवा और समर्पण का संदेश दिया। कथा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें श्रद्धालु जय श्रीराम एवं जय बजरंगबली के जयघोष के साथ शामिल हुए। शोभायात्रा ग्राम के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जहां जगह-जगह स्वागत किया गया।

आयोजन के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

निर्माणाधीन हनुमान मंदिर के हनुमान धाम ऐंताझर में आयोजित यह आयोजन क्षेत्र में धार्मिक आस्था एवं सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर उभर रहा हैं। निर्माणाधीन हनुमान मंदिर समिति द्वारा मंदिर के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने हेतु सभी से सहयोग की अपील की, जिस पर उपस्थित लोगों ने सहयोग का भरोसा दिया।

इस अवसर पर श्री हनुमान मंदिर समिति के सुशील शर्मा, अरुण श्रीवास्तव, नीलेश शुक्ल, गिरीश श्रीवास्तव, अंभोज श्रीवास्तव, सुजीत श्रीवास्तव, अनूप मिश्रा, चंद्रशेखर शर्मा, संदीप द्विवेदी, मनोज श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, द्वारिका गुप्ता, सुधीर शर्मा, सुभाष द्विवेदी, केशव कोल, सरपंच मैकू बैगा, पूर्व कुलपति प्रो मुकेश तिवारी, पूर्व टीआई एम.एल. रहांगडाले, सीएमएचओ डॉ राजेश मिश्रा, आदित्य हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ आदित्य द्विवेदी, बीएमओ डॉ सुनील स्थापक, पूर्व सीएमओ रविकरण त्रिपाठी, सिंहपुर थाना प्रभारी आशीष झारिया, राजाराम पाण्डे, अनिल श्रीवास्तव, शिवम शर्मा, ललित मिश्रा, उपसरपंच दूधी प्रदीप पटेल, उपसरपंच पड़मनियां अनिल साहू, प्रधानाचार्य सीएस पट्टावी, गोवर्धन कुशवाहा, निखिल गुप्ता, संतोष शर्मा, सोनू गुप्ता, अनुभव शर्मा सहित बड़ी संख्या श्री हनुमान भक्त उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं में निखार लाने के लिए प्रशिक्षण जरूरीः आशुतोष अग्रवाल

भारतीय जनता पार्टी का दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण

बिरसिंहपुर पाली। पंडित दीनदयाल उपाध्याय महा प्रशिक्षण का दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बिरसिंहपुर पाली के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभा गार में आयोजित किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता, पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित भारतीय जनता पार्टी के उमरिया जिले के जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष श्री मती राधा विजय तिवारी, भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री श्री मती बबली यादव, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सरजू प्रसाद अग्रवाल, पूर्व नगर पालिका के अध्यक्ष पंडित प्रकाश पालीवाल के व्दारा किया गया। दीप प्रज्वलन पश्चात सामूहिक बंदे मातरम राष्ट्र गान का गायन किया गया। तत्पश्चात प्रशिक्षण के उद्देश्य और बिषय वस्तु को विमल अग्रवाल मंडल महामंत्री के व्दारा विस्तार से रखी गयी। तत्पश्चात प्रशिक्षण सत्र के अध्यक्ष पद पर राधा विजय तिवारी ने किया।

प्रशिक्षण के प्रथम सत्र भारतीय जनता पार्टी के इतिहास और उसके विकास पर जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल के व्दारा प्रस्तुत किया गया। श्री अग्रवाल ने प्रशिक्षणार्थियो को बताते हुए कहा की भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य सदैव राष्ट्र निर्माण का रहा है,इतिहास गवाह है की भारतीय जनता पार्टी ने अपने इसी उद्देश्य के लिए कई बार सत्ता को दर किनार करते हुए अपने लक्ष्यों से कभी समझौता नहीं किया गया। हमारे जैसे लाखों कार्यकर्ताओं ने अपने विधायक और सरकार नहीं देखी । भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य कभी भी सत्ता नहीं रही। सत्ता तो भारतीय जनता पार्टी के लिये पं दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव वाद के उदेश्य की पूर्ति का साधन हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ने जनसंघ से लेकर जनता पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठन के इतिहास पर विस्तार से समझाया।

मानपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री मीना सिंह ने मध्यप्रदेश सरकार की उपलब्धियों के संदर्भ में बात रखते हुए कहा की मध्यप्रदेश में वर्ष 1977 में भाजपा की सरकार बनी जो अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पायी और वर्ष 1990 में बनी जो ढाई साल में ही अपदस्थ कर दिया गया। अब भारतीय जनता पार्टी वर्ष 2003 से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जो विकास का नये मापदंड खड़े कर रही है। आज सडकों का जाल बिछा दिया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर शिक्षा नीति लाकर आज गाँव -गाँव विद्यालय भवन की सुविधा मिली हुई है।मध्यप्रदेश में कांग्रेस चौवालिस साल राज की लेकिन गरीबी, भूखमरी,अराजकता, अशिक्षा, सडक की हालात अत्यंत खराब रही है । आज भाजपा सरकार चहुँ ओर विकास के मापदंड के ऊंचे मापदंडों को स्थापित किया है। विधायक सुश्री मीना सिंह का सत्र अत्यंत भावुक और हृदय रूपषी रहा, जो लोगों के हृदय की गहराईयों को छूं गया। प्रशिक्षण सत्र के द्वितीय सत्र में वैचारिक अतिष्ठान बिषय पर देवेश शर्मा, तृतीय सत्र में हमारी कार्य पद्धति पर कालिका सिंह उर्फ बहादुर सिंह , बूथ प्रबंधन और मन की बात बिषय पर राजेश शर्मा ने अंतिम सत्र में सुदामा प्रसाद विश्वकर्मा ने केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में प्रशिक्षण सत्र में विस्तार से बात रखी।

मंडल प्रशिक्षण महा अभियान में 201 भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मंडल प्रशिक्षण में उत्तम कोटि की व्यवस्था रखी गयी, जिसे मंडल पाली के व्दारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पाली मंडल प्रभारी अमृत लाल जयसवाल जिला उपाध्यक्ष के देख रेख में संपन्न हुई।

एसडीएम ने बच्चों से किया संवाद, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

उमरिया। स्कूल चले हम अभियान अंतर्गत भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी ने माध्यमिक शाला सिगुड़ी का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों की शैक्षणिक स्थिति,समस्याओं एवं आवश्यकताओं की विस्तार से जानकारी ली।

एसडीएम ने विद्यालय की मध्यान्ह भोजन की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए उन बच्चों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए जिनकी उपस्थिति एवं प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को निर्धारित ड्रेस में नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया।

संवाद के दौरान विद्यार्थियों से पूछा गया कि उन्हें किन-किन विषयों में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इस आधार पर शिक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे आगामी एक माह की स्पष्ट अध्ययन योजना तैयार करें, जिससे पूरे वर्ष की पढ़ाई को व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया जा सके। एसडीएम ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि अगले दो महीनों के लिए विद्यार्थियों हेतु अतिरिक्त गतिविधियों जैसे कला एवं शिल्प, चित्रकला,मृदाकला आदि के प्रोजेक्ट तैयार कराए जाएं, ताकि बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। साथ ही स्मार्ट क्लासेस के माध्यम से विभिन्न विषयों में रोचक एवं तकनीकी आधारित शिक्षण प्रदान करने पर भी जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पेयजल व्यवस्था की जांच की गई, जिसमें एक स्थान पर जल कनेक्शन नहीं पाया गया तथा विद्युत खंभे के अभाव में सुरक्षा संबंधी चिंताएं सामने आईं। इस पर एसडीएम द्वारा सीएमओ को आवश्यक निर्देश जारी किए गए, ताकि शीघ्र सुधार किया जा सके और असामाजिक तत्वों के प्रवेश पर रोक लग सके।इसके अतिरिक्त,विद्यालय के मुख्य द्वार के सामने स्पीड ब्रेकर नहीं होने से उन्होंने बच्चों की सुरक्षा को खतरा बताया तथा सीएमओ को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए । कार्यक्रम के अंत में एसडीएम ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, जिसके लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना आवश्यक है।

खबर संक्षेप

जोहिला नदी के तट व घाट की साफ सफाई कर दिया गया जल संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के कुशल निर्देशन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड पुष्पराजगढ़ के सेक्टर 3 पोड़की अंतर्गत ग्राम लालपुर भुंडाकोना के जोहिला नदी तट व घाट की साफ सफाई की गई। तथा उपस्थित जनो को जल संरक्षण वर्षा जल संचय एवं जल के सदुपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही अपील की गई कि सभी जल की एक-एक बूंद बचाने का संकल्प लें और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संरक्षित रखें। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि गण, श्री नर्मदे हर सेवा न्यास अमरकंटक नवांकुर संस्था, प्रस्फुटन समिति सीएमसीएलडीपी छात्र एवं आमजन उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सामूहिक रूप से जल संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। स्वच्छता कार्यक्रम में सम्मिलित प्रमुख रूप से जनपद सदस्य रामराज सिंह, सरपंच गजानंद सिंह, परामर्शदाता रमेश तिवारी, रूबेला बाई, नीलम बाकले, कन्ना नायक, नरोत्तम टांडिया, कमलेश सिंह, विजेंद्र सिंह, रामलोचन सिंह, राम प्रसाद सिंह, कमला सिंह, भानु प्रसाद प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे।

अनूपपुर जिले में गेहूँ उपार्जन 15 अप्रैल से प्रारंभ, 6 केंद्र निर्धारित

अनूपपुर। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में गेहूँ उपार्जन का कार्य 15 अप्रैल से प्रारंभ किया जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूँ क्रय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिले में 6 उपार्जन केंद्र निर्धारित किए गए हैं। दुलहरा समिति के लिए मां शारदा वेयरहाउस, 2 बरबसपुर, पटनाकला समिति के लिए कृषि उपज मंडी अनूपपुर, मझगवां (फुनगा) समिति के लिए शारदा फूड प्रोसेसिंग गोदाम पयारी, धनगवां समिति के लिए सिंह वेयरहाउस छातापटपर, बिजुरी समिति के लिए बतूल वेयरहाउस कोतमा तथा राजेंद्रग्राम समिति के लिए गोदाम राजेंद्रग्राम को उपार्जन केंद्र के रूप में निर्धारित किया गया है। संबंधित केंद्र प्रबंधकों को किसानों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सिर पर मंदिर रखकर नर्मदा परिक्रमा कर रहे महाराष्ट्र के प्रीतपाल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल अमरकंटक में एक अनोखी और प्रेरणादायक नर्मदा परिक्रमा यात्रा देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र के पुणे निवासी प्रीतपाल (उम्र लगभग 40 वर्ष) मां नर्मदा की भक्ति में लीन होकर अपने सिर पर काष्ठ से निर्मित मंदिर रखकर पैदल परिक्रमा कर रहे हैं। इस विशेष मंदिर में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश के साथ मां नर्मदा की प्रतिमा विराजित है। प्रीतपाल अपने दैनिक उपयोग की सामग्री पीठ पर बैग में रखकर कठिन तपस्या और हठयोग के साथ यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने अपनी परिक्रमा यात्रा ओंकारेश्वर धाम से प्रारंभ की थी और लगभग चार महीने की कठिन पदयात्रा के बाद अब अमरकंटक पहुंच चुके हैं। अमरकंटक में माई की बगिया पहुंचकर उन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन, आरती एवं तट-जल परिवर्तन की प्रक्रिया पूर्ण की और मां नर्मदा के दक्षिण तट से अपनी आगे की यात्रा पुनः प्रारंभ कर दी है। नर्मदा परिक्रमा यात्री महाराष्ट्र के प्रीतपाल एक हाथ में दंड और कमंडल धारण किए, हंसते-मुस्कुराते हुए भजन-कीर्तन करते निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। उनकी यह तपस्या, उत्साह और अटूट श्रद्धा मार्ग में मिलने वाले लोगों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन रही है। प्रीतपाल प्रतिदिन लगभग 25 से 30 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हैं।

15 वर्षीय नाबालिग बनी मां, नवजात बच्चे का पिता महज 17 वर्ष का

सिस्टम हुआ बेपरवाह, डीएनए टेस्ट के लिए 7 घंटे भटकते रहे परिजन

स्वास्थ्य अधिकारी के बिगड़े बोल

अनूपपुर जिले के जैतहरी क्षेत्र में 15 वर्षीय नाबालिग लड़की द्वारा नवजात को जन्म देने का मामला सामने आया है, जिसने न केवल सामाजिक चिंता बढ़ाई बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल भी खोल दी है। जिला अस्पताल में महिला डॉक्टर के अभाव में डीएनए टेस्ट के लिए परिजन और पुलिस घंटों भटकते रहे है, वहीं जिम्मेदार स्वास्थ्य अधिकारी का असंवेदनशील रवैया आग में घी डालने जैसा रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मामला पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के जिला पेंड्रा-गौरेला मरवाही जिले से जुड़ा है, जहां 17 वर्षीय नाबालिग युवक और 15 वर्षीय लड़की के बीच प्रेम संबंध बना और नजदीकी संबंधों के चलते लड़की गर्भवती हो गई, जिसके बाद बदनामी के डर से उसकी मां उसे अनूपपुर जिले के जैतहरी क्षेत्र में एक किराए के मकान में लेकर आ गई, यहीं लड़की ने घर पर ही नवजात शिशु को जन्म दिया है। हालांकि प्रसव के बाद मां और बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल लाया गया, जहां मां की हालत में सुधार हुआ लेकिन नवजात की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद महिला उपनिरीक्षक द्वारा मामले में जांच शुरू की गई और जीरो पर कायमी की गई है। लेकिन असली सवाल तब खड़े हुए जब डीएनए टेस्ट के लिए महिला डॉक्टर की जरूरत पड़ी और जिला अस्पताल में कोई उपलब्ध नहीं था। करीब 7 घंटे तक पुलिस और परिजन इधर-उधर भटकते रहे, वहीं जिम्मेदार अधिकारी का गैरजिम्मेदाराना बयान स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करता है।

नाबालिग संबंध से जन्मा बच्चा, गंभीर मामला

पूरा मामला दो नाबालिगों के प्रेम संबंध से जुड़ा है, जिसने अब कानूनी और सामाजिक दोनों ही स्तर पर गंभीर स्थिति पैदा कर दी है। 15 साल की उम्र में गर्भवती होना और फिर घर पर प्रसव कराना, इस पूरे घटनाक्रम में परिवार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है।

जिला अस्पताल में बदहाल व्यवस्था

जिला अस्पताल में महिला डॉक्टर की अनुपस्थिति ने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी है। डीएनए टेस्ट जैसे संवेदनशील मामले में भी बुनियादी व्यवस्था न होना स्वास्थ्य विभाग की बड़ी विफलता है। परिजन और पुलिस स्टाफ घंटों भटकते रहे, लेकिन जिम्मेदारों ने समय पर व्यवस्था नहीं की ऊपर से जिम्मेदार अगर जवाब दे कि महिला डॉक्टर के न रहने से किसी की मौत तो नहीं हुई है न अभी।

जिम्मेदार अधिकारी के बिगड़े बोल

जब प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी से इस गंभीर मामले में सवाल किया गया तो उनका जवाब और भी चौंकाने वाला था। "कोई मरा तो नहीं" जैसे गैरजिम्मेदाराना बयान ने यह साफ कर दिया कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग संवेदनशीलता खो चुके हैं। ऐसे रवैये ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है।

कब खुलेगी प्रशासन की नींद?

आखिरकार दबाव बढ़ने पर जैतहरी से महिला डॉक्टर बुलाकर डीएनए टेस्ट कराया गया, लेकिन सवाल यही है कि क्या हर बार ऐसे ही दबाव के बाद व्यवस्था सुधरेगी? जिम्मेदारों की लापरवाही और असंवेदनशीलता से यह साफ है कि सिस्टम तभी जागता है जब हालात बिगड़ जाते हैं। अब जरूरत है कड़ी कार्रवाई और जवाबदेही तय करने की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं।

तेज रफ्तार का कहर, जालेश्वर तिराहा में नई बाइक सवार ने मारी टक्कर, तीन घायल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में शनिवार शाम एक सड़क हादसे ने लोगों को झकझोर दिया। अमरकंटक थाना क्षेत्र से लगभग 7 किलोमीटर दूर अमरकंटक-शहडोल मार्ग स्थित जालेश्वर तिराहा पर 4 अप्रैल को शाम करीब 4:30 बजे तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर खड़ी स्कूटी से जा टकराई, जिससे तीन लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्राटोला पोडकी निवासी 32 वर्षीय मंगल माझी, पिता जय राम माझी, अपनी नई टीवीएस स्पोर्ट मोटरसाइकिल की पूजा-अर्चना कराकर अमरकंटक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान जालेश्वर तिराहा के मोड़ पर तेज गति के कारण उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़े राजेंद्र ग्राम किरगी निवासी प्रिंस सोनी एवं उनकी चाची सुधा सोनी की स्कूटी से जा टकराया। बताया जा रहा है कि प्रिंस सोनी और सुधा सोनी अपने बच्चों के साथ अमरकंटक में मां नर्मदा के दर्शन-पूजन के बाद वापस लौट रहे थे और जालेश्वर तिराहा पर कुछ देर रुककर आपस में बातचीत कर रहे थे। तभी यह हादसा हो गया। हादसे में मोटरसाइकिल सवार मंगल माझी को सिर एवं पैर में गंभीर चोटें आई हैं, वहीं प्रिंस सोनी और सुधा सोनी भी घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही अमरकंटक पुलिस थाना का बल तत्काल मौके पर पहुंचा और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। उल्लेखनीय है कि मंगल माझी ने 3 अप्रैल को ही नई मोटरसाइकिल खरीदी थी और अगले ही दिन पूजा कराकर लौटते समय यह दुर्घटना हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही उप निरीक्षक पी.एस. बघेल के निर्देशन में आरक्षक कृष्ण सिंह राजावत एवं आरक्षक पवन तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य किया और सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्रवासियों ने मुक्त कंठ से सराहना की है। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार के खतरों की याद दिलाता है और सड़क पर सतर्कता बरतने की आवश्यकता को रेखांकित

हाथियों का आतंक नहीं हो रहा खत्म

मरवाही में महुआ बीन रहे वृद्ध को रौंदा, हुई मौत

अनूपपुर में भी फसलों पर हमला

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

डिंडौरी मरवाही से अनूपपुर तक हाथियों की लगातार आवाजाही अब जानलेवा साबित हो रही है। मरवाही के डडिंया जंगल में महुआ बीनने गए एक वृद्ध की हाथी के हमले में मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरी ओर अनूपपुर जिले में चार हाथियों का दल दो हिस्सों में बंटकर जंगलों में डेरा डाले हुए है और रात के समय किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। वन विभाग सतर्क है, लेकिन ग्रामीणों की लापरवाही खतरा बढ़ा रही है। छत्तीसगढ़ के मरवाही वन मंडल अंतर्गत डडिंया गांव से लगे जंगल में शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 55 वर्षीय त्रिलोचन सिंह महुआ बीनने जंगल पहुंचे थे। इसी दौरान एक अकेले दो दांत वाले नर हाथी ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। उधर, यही हाथी और उसके अन्य साथी मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में भी सक्रिय हैं। चार हाथियों का दल दो हिस्सों में बंटकर गेढीआमा और धनगवां के जंगलों में ठहरा हुआ है। ये हाथी रात के समय गांवों के पास पहुंचकर चना और गेहूं की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वन विभाग लगातार निगरानी कर ग्रामीणों को सतर्क रहने की चेतावनी दे रहा है, लेकिन महुआ संग्रहण के कारण लोग जोखिम उठाकर जंगलों में जा रहे हैं, जिससे किसी भी समय और बड़ी घटना होने की आशंका बनी हुई है।

मरवाही में जानलेवा हमला

मरवाही के डडिंया जंगल में महुआ बीनने गए त्रिलोचन सिंह पर सुबह तड़के हाथी ने हमला कर दिया। बताया गया कि हाथी अचानक सामने आया और वृद्ध को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही वन विभाग, सरपंच और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। हाथी अभी भी आसपास के जंगल में मौजूद है, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

अनूपपुर में दो हिस्सों में बंटा हाथियों का दल

चार हाथियों का समूह डिंडौरी और मरवाही से होते हुए अनूपपुर पहुंचा, जो अब दो हिस्सों में बंट गया है। तीन हाथी राजेंद्रग्राम क्षेत्र के टिकरादूधी गांव होते हुए गेढीआमा जंगल में ठहरे हैं, जबकि एक अकेला हाथी चोलना, कुकुरगोंड़ा होते हुए धनगवां जंगल में डेरा डाले हुए है। दोनों क्षेत्रों में दिनभर हाथी विश्राम कर रहे हैं।

फसलों को भारी नुकसान, गांवों में दहशत

हाथियों ने रात के समय कई किसानों के खेतों में घुसकर चना और गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचाया। टिकरादूधी और आसपास के गांवों में खेतों को खासा नुकसान हुआ है। हाथियों की आवाजाही गांवों के बेहद करीब तक होने से ग्रामीणों में डर का माहौल है और लोग रात में खेतों की रखवाली करने से भी डर रहे हैं।

चेतावनी के बावजूद बढ़ रहा खतरा

वन विभाग लगातार निगरानी कर रहा है और ग्रामीणों को जंगल में न जाने की हिदायत दे रहा है। इसके बावजूद महुआ संग्रहण के कारण लोग सुबह-शाम जंगल पहुंच रहे हैं। कच्चे मकानों और झोपड़ियों में रहने वाले लोग भी हाथियों के संपर्क में आने के जोखिम में हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि लापरवाही के चलते भविष्य में और भी अप्रिय घटनाएं हो सकती हैं।

रेवा सामुदायिक भवन का भूमि पूजन संपन्न, विधायक मार्को ने रखी आधारशिला

सांसद निधि से बनेगा सामुदायिक भवन, नर्मदा परिक्रमा यात्रियों को मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 12 में रेवा सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। यह निर्माण कार्य राज्यसभा सांसद विवेक तंखा द्वारा सांसद निधि से प्रदत्त 10.78 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। कार्यक्रम में पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने मुख्य अतिथि के रूप में भूमि पूजन कर भवन निर्माण की आधारशिला रखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह उइके ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद उपाध्यक्ष रज्जू सिंह नेताम एवं वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद श्रीमती निधि जैन उपस्थित रहीं। इस अवसर पर धार्मिक विधि-विधान एवं पूजन-अर्चन के साथ निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष संतोष पांडे, आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष आशुतोष सिंह मार्को, नगर कांग्रेस अध्यक्ष शितेश सरीवान, पार्षदगण शक्ति पांडे, जोहनलाल चंद्रवंशी, विमला दुबे, उषा सिंह, पूर्व पार्षद श्यामकली परस्ते, विधायक प्रतिनिधि श्यामलाल सेन, युवा कांग्रेस अध्यक्ष वीरू तंबोली, जितेंद्र खांडे, एनएसयूआई अध्यक्ष सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि विधायक मार्को ने अपने संबोधन में कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि इसका लाभ नर्मदा परिक्रमा वासियों, तीर्थ यात्रियों एवं स्थानीय श्रद्धालुओं को मिल सके। उन्होंने अमरकंटक की पवित्रता एवं स्वच्छता बनाए रखने पर भी जोर दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि नगर परिषद में कांग्रेस का नेतृत्व होने के कारण कभी-कभी शासन स्तर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाता है। कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते एवं उपयंत्री बृजेश पांडे द्वारा निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही संबंधित ठेकेदार प्रभात चतुर्वेदी को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण किया जाए, ताकि यह भवन क्षेत्रवासियों के लिए उपयोगी साबित हो सके।

मडफा तालाब से अज्ञात व्यक्तियों ने काट लिया चंदन का पेड

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के सामतपुर वार्ड क्रमांक 01 स्थित मडफा तालाब क्षेत्र में प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। यहां लगा बहुमूल्य चंदन का पेड़ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा काट लिया गया, लेकिन घटना के बाद भी नगरपालिका अनूपपुर की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। न तो कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई और न ही वन विभाग को इसकी सूचना दी गई, जिससे जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, मडफा तालाब क्षेत्र में लंबे समय से लाइटिंग व्यवस्था पूरी तरह बंद पड़ी है, जिससे रात के समय यहां अंधेरा रहता है। इसी अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व अवैध गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। चंदन के पेड़ की कटाई भी इसी लापरवाही का परिणाम मानी जा रही है। स्थिति को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि तालाब की देखरेख के लिए नियुक्त चौकीदार को भी हटा दिया गया है। इससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह कमजोर हो गई है और निगरानी का अभाव साफ नजर आ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते उचित व्यवस्था की जाती, तो इस तरह की घटना को रोका जा सकता था। मडफा तालाब, जो कभी शहर की पहचान और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल था, अब उपेक्षा का शिकार होता जा रहा है। लोगों का आरोप है कि नगरपालिका की अनदेखी के कारण यह क्षेत्र धीरे-धीरे नष्ट होने की कगार पर पहुंच गया है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक जागता है और जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्यवाही करता है।

नाम परिवर्तन सूचना

मै शंकर पिता भोला सिंह उम्र 46 वर्ष निवासी ग्राम बडकाटोला टेनघा वार्ड न. 04 तहसील जैतपुर जिला शहडोल का निवासी हू मेरा आधार कार्ड क्रमांक 9070 8390 3437 एवं पेनकार्ड क्रमांक के.के.जे.पी.एस 1017 क्यू में मेरा नाम शंकर पिता भोला सिंह दर्ज है जो कि सही एवं सत्य है। मेरा जिला परिवहन कार्यालय शहडोल से ड्राइविंग लायसेंस क्रमांक एमपी 18 एन 2010 0008571 जारी है जिसमे मेरा नाम लल्लाराम पिता भोला दर्ज है जोकि मेरा घरेलू नाम है। शंकर पिता भोला सिंह एवं लल्लाराम पिता भोला दोनो नाम एक ही व्यक्ति का है। मै ड्राइविंग लायसेंस में अपना नाम आधार कार्ड के अनुसार लल्लाराम की जगह शंकर कराना चाहता हू जिसके लिए मै शपथ करता हू।

न्यायालयः-प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड अनूपपुर जिला अनूपपुर म.प्र.
Presiding Officer : श्री बॉबी सोनकर
(RCSA/120/2025)
लवकेश कोल V/s शोभई कोल वगै.
Process Id- 01/2026
पेशी दिनांक :- 24/04/2026
प्रेषिती -(1) आम जन अन्य जिससे संबधित है।
यह कि प्रार्थी लवकेश कोल ने आपके विरूद्ध पेपर प्रकाशन के लिए वाद संस्थित किया है. आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीक 28/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
श्री बॉबी सोनकर
मुद्रा न्यायालय प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड अनूपपुर जिला अनूपपुर म.प्र.

डीवीएम पब्लिक स्कूल अनूपपुर में किया गया समर कैंप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। डीवीएम पब्लिक स्कूल अनूपपुर में समर कैंप का आयोजन किया गया जो की 1 अप्रैल से 4 अप्रैल तक चार दिन चला। समर कैंप आयोजन के प्रथम दिन विद्यालय की क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती सुशीला कुलवंत ने समर कैंप का उद्घाटन किया। इस समर कैंप की शुरुआत हवन यज्ञ से किया गया। इसके बाद बच्चों को स्विमिंग, म्यूजिक, डांस कराया गया। दूसरे दिन हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ संगीत शिक्षक ऋषिराज सिंह द्वारा किया गया और फुटबॉल वॉलीबॉल का बच्चों ने खेल कर आनंद उठाया। तीसरे दिन मिकी माउस, जंबलिंग, हॉर्स राइडिंग, का बच्चों ने भरपूर आनंद लिया। चौथे दिवस में कविता पाठ खेल-खेल में कैसे पढ़ाई की जाती है शिक्षकों ने बच्चों को सिखाया गर्मी से बचने के उपाय भी उन्होंने बताया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का पूरा योगदान सराहनी रहा अंत में प्राचार्य ने बच्चों को समर कैंप में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।